

विश्व सदमे में है, पहले अमेरिका द्वारा लगाये गये टैरिफ से और फिर टैरिफ प्रक्रिया को अचानक आगे खिसकाने से

इस घटनाक्रम ने ट्रम्प की नीतियों की अनिश्चितता व अव्यवहारिकता पर से पर्दा हटा दिया

-अंजन रॉय-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। ट्रंप के टैरिफ ने जब पूरी दुनिया और वित्तीय बाजारों को हिलाकर रख दिया है और ट्रंप ने इस नीति के क्रियान्वयन पर रोक लगाकर नेताओं से लेकर बाज़ार तक सभी को चौंका दिया है।

अब उतनी ही जल्दबाजी में उन्होंने रैसप्रोकल टैरिफ का टाइम आगे खिसका दिया। उन्होंने इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया, जिससे बाजारों में थोड़ा उछाल आया। उन्होंने चीन को छोड़कर सभी देशों को टैरिफ में राहत दी।

इस पूरे घटनाक्रम ने ट्रंप प्रशासन की पूर्णतया अप्रत्याशित तथा अवास्तविक कार्यप्रणाली को उजागर कर दिया है। उनके करीबी अधिकारियों, जिसमें अमेरिका के वाणिज्य सचिव भी शामिल हैं, को भी इस बारे में जानकारी नहीं थी। ट्रंप प्रशासन की अनिश्चितता ने एक बार फिर बाज़ार को प्रभावित किया और बाज़ार का उछाल थम गया।

आखिर ऐसा क्या हुआ कि अपनी बहुचर्चित टैरिफ नीति को उन्होंने रोक दिया, क्योंकि यह साफ तौर पर पीछे हटना ही है।

■ पर, ऐसा क्यों हुआ? अमेरिका के ट्रैज़री सैक्रेटरी स्कॉट बैसैंट ने ट्रम्प के निजी निवास पर जाकर, अमेरिका के “बॉण्ड मार्केट” की स्थिति से उन्हें अवगत कराया।

■ जैसा कि विदित ही हैं, कोई भी सरकार अपने पुराने ऋण नहीं चुकाती, केवल नये ऋण लेकर, पुराने ऋण की प्रतीकात्मक अदायगी करती हैं। पर, अगर, सरकार के बॉण्ड्स मार्केट में ढीले पड़ जायें तो बाज़ार से नया ऋण उठाने का क्रम टूट सकता है।

■ शायद स्कॉट बैसैंट ने यह स्थिति ट्रम्प के सामने उजागर की और इससे मंदी का दौर (डिप्रेशन) शुरू होने की आशंका जताई।

■ 1930 के “ग्रेट डिप्रेशन” के दृश्यों को अमेरिका भूला नहीं है और “डिप्रेशन” बड़ा भयानक शब्द है अमेरिका वासियों के लिये।

■ बैसैंट के संदेश व निष्कर्ष को अमेरिका के जाने-माने उद्योगपतियों व इकॉनमिस्टों ने ट्रम्प को सीधे लगातार फोन कर दोहराया और अन्त में ट्रम्प को अपने टैरिफ लगाने के प्लान को 90 दिन स्थगित करने का निर्णय लेना पड़ा।

ट्रंप ने जोर-शोर से दावा किया था कि उनकी ट्रेड वॉर नीति में कोई बदलाव

नहीं होगा। वे इस नीति को अवश्य ही लागू करेंगे। उन्होंने यह भी डींग मारी थी

गृह मंत्री चेन्नई पहुँचे

उनकी यात्रा का मुख्य मकसद तमिलनाडु के नये प्रदेशाध्यक्ष का चयन है

-लक्ष्मण वैकट कुची-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। तमिलनाडु भाजपा के वर्तमान अध्यक्ष अन्नामलाई द्वारा पद छोड़ने की इच्छा व्यक्त करने के बाद, राज्य में इस पद के लिए दौड़ तेज हो गई है। अब भाजपा की तमिलनाडु इकाई के इस सर्वोच्च पद पर कोई नया व्यक्ति ही आयेगा।

गुरुवार को भाजपा की राज्य एवं चेन्नई इकाईयाँ सक्रिय घटनाक्रम की साक्षी रहीं। दरअसल, केन्द्रीय गृहमंत्री तथा पूर्व भाजपा अध्यक्ष अमित शाह राज्य के दौरे पर यहाँ आये थे। उन्होंने राज्य की राजनैतिक स्थिति का आकलन करने के लिये दिन पर राज्य के विभिन्न पार्टी नेताओं के साथ कई मीटिंग कीं। उन्होंने पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल सभी उम्मीदवारों से मुलाकात की।

पार्टी के इस अन्दरूनी मामले के अलावा, ऐसी आशा की जा रही है कि अमित शाह अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन करने के सिलसिले में भी बात

भारत ने बांग्लादेश के ट्रक रोके

ढाका/नयी दिल्ली, 10 अप्रैल। भारत ने पश्चिम बंगाल सीमा से सटे बेनापोल लैंड पोर्ट चेक पोस्ट के रास्ते माल के साथ आ रहे बांग्लादेश के चार ट्रकों को वापस भेज दिया है। यह कार्रवाई बांग्लादेश को दूसरे देश में माल भेजने के लिए दी गयी ट्रांसशिपमेंट सुविधा रद्द किये जाने के एक दिन बाद

■ ट्रांज़िट सुविधा वापस लेने का आदेश जारी होने के आगले दिन यह कार्यवाही की गई।

की गयी है। बांग्लादेश के टीवी समाचार चैनल बीडी न्यूज़ 24 की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के जेसोर जिले में बेनापोल पोर्ट के उप निदेशक रशीदुल साजिब नजीर ने कहा कि भारत सरकार द्वारा मंगलवार को ट्रांसशिपमेंट सुविधा को रद्द करने के कारण पैदापोल कस्टम्स (भारतीय पक्ष) ने तीसरे देश के माल को अपने सीमा से ले जाने की मंजूरी देने से इन्कार कर दिया।

कि 75 से अधिक देशों ने उनसे विनती की है कि वे कोई समझौता करें और उनके बड़े हुए टैरिफ से राहत दें।

उन्होंने हमेशा की तरह टैरिफ उपायों को लेकर शेखी बघारी। लेकिन, उनके आंतरिक सर्कल में सभी देशों पर एक साथ इतने कठोर उपाय लागू करने का आत्मविश्वास और भावना अब धीमी होती जा रही थी और अधिक व्यावहारिक सोच सामने आ रही थी।

रिपोटर्स के अनुसार, अमेरिकी ट्रेज़री सचिव स्कॉट बेसैंट, ट्रंप के निजी निवास पर पहुँचे, ताकि बाज़ार की स्थिति को लेकर उन्हें आगाह कर सकें। उन्होंने जोर दिया कि अमेरिकी ट्रेज़री मार्केट में भारी गिरावट आई है और यही वह धुरी है, जिस पर संघीय सरकार की वित्तीय स्थिति घूमती है।

अंतर्राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (सीएनएन) ने रिपोर्ट किया कि बुधवार को अमेरिकी संघीय सरकार के बॉन्ड ऑफर को वह प्रतिक्रिया नहीं मिली, जो सामान्यतः मिलती है।

टैरिफ से उत्पन्न उथल-पुथल के बाद, अमेरिका का सरकारी ऋण खरीदने वाले बड़े निवेशकों में अब उतना उत्साह (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘बाल आयोग अध्यक्ष का कार्यभार आईएएस को क्यों सौंपा’

जयपुर, 10 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य बाल आयोग के अध्यक्ष पद का अतिरिक्त कार्यभार आईएएस अधिकारी को सौंपने पर मुख्य सचिव, संयुक्त बाल अधिकारिता सचिव, महिला एवं बाल विकास सचिव और आईएएस कुलदीप रांका को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने

■ हाई कोर्ट ने आयोग की सदस्य संगीता गर्ग की याचिका पर नोटिस जारी किये।

यह आदेश आयोग की सदस्य संगीता गर्ग की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता सत्यपाल चंदोलिया ने बताया कि संगीता बेनीवाल द्वारा इस्तोफा देने के कारण आयोग अध्यक्ष का पद रिक्त हो गया था। राज्य सरकार ने गत 5 फरवरी को आदेश जारी कर इस पद का अतिरिक्त कार्यभार भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी कुलदीप रांका को सौंप दिया। याचिका (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी ने रणथम्भौर में टाइगर देखे

सवाई माधोपुर, 10 अप्रैल (निस) । लोकसभा विपक्ष के नेता व कांग्रेस नेता राहुल गांधी निजी यात्रा पर रणथम्भौर आए हुए हैं। उन्होंने आज सुबह और शाम की पारी में रणथम्भौर नेशनल पार्क में टाइगर सफारी कर बाघों की अठखेलियां देखीं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अहमदाबाद में आयोजित कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन से बुधवार को सीधे अहमदाबाद से फ्लाइट से जयपुर पहुंचे। जयपुर से सड़क मार्ग से देर रात करीब 10 बजे सवाई माधोपुर के रणथम्भौर पहुंचे। राहुल यहां रणथम्भौर के शेर बाग होटल में ठहरे हुए हैं।

राहुल गांधी ने पांच सितारा होटल

■ राहुल ने सुबह और शाम दोनों पारी में जंगल का भ्रमण किया।

शेरबाग में रात्रि विश्राम किया। गुरुवार सुबह और शाम की पारी में उन्होंने रणथम्भौर नेशनल पार्क का भ्रमण कर बाघों की अठखेलियां देखीं। इस दौरान राहुल गांधी ने बाघिन टी 84 एरोहेड व उसके शावकों की अठखेलियों को अपने कैमरे में भी कैद किया।

राहुल ने रणथंभौर के जोन नंबर दो में फिमेल टाइगर के दीदार किए। बाघिन व शावकों की अठखेलियां देख कर राहुल गांधी खुश हो गए। उल्लेखनीय है कि गांधी परिवार का रणथम्भौर से गहरा लगाव है। राहुल गांधी की बहन और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड़ा भी अक्सर रणथम्भौर आती रहती हैं।

क्या टैरिफ वॉर के कारण भारत को मजबूरन द्वितीय पीढ़ी के आर्थिक रिफॉर्म लागू करने पड़ेंगे?

टैरिफ वॉर के कारण अमेरिका का मार्केट शायद भारत के उद्योगपतियों की पहुँच से बाहर हो जायेगा तथा भारत को विश्व में अन्यत्र मार्केट विकसित करने होंगे

-सुकुमार साह-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। माना जा रहा है कि अमेरिका की नई टैरिफ नीति, विशेष रूप से रैसप्रोकल टैरिफ की 5 अप्रैल की घोषणा से भारत में सैकण्ड -जनरेशन रिफॉर्म्स (सुधारों) की शुरुआत हो सकती है। सुधारों की पहली बड़ी लहर तीन दशक पहले 1991 में आई थी। टैरिफ और ट्रेड पॉलिसीज से अक्सर राष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक रणनीतियों में बदलाव आता है, और भारत के सामने, इस तरह के ग्लोबल परिवर्तन को प्रतिक्रिया में सुधारों को तेजी से बढ़ाने का अनोखा मौका है।

चूँकि, अमेरिकी टैरिफ का उद्देश्य घरेलू उद्योगों की रक्षा करना है, इसलिए भारत अपने घरेलू बाजार पर अधिक फोकस करने और अपने उद्योगों को कम करने की वृष्टि से सैकण्ड जनरेशन (दूसरी पीढ़ी के) सुधारों को आगे बढ़ा सकता है। ये प्रयास भारतीय कंपनियों

■ इस नए मार्केट में सफल होने के लिए भारत को सैकण्ड जनरेशन रिफॉर्म्स लागू करने पड़ेंगे, जैसे, लेबर लॉज में लचीलापन, कृषि उत्पाद की श्रृंखला को मजबूत करना और “ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस” को और मजबूत करना। जब तक यह नहीं करेंगे, भारतीय माल अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जम नहीं पाएगा।

■ ये रिफॉर्म्स शायद कालांतर में धीरे-धीरे भारत में आते, पर, टैरिफ वॉर से उत्पन्न स्थिति ने शायद भारत सरकार से धीरे-धीरे “सैकण्ड जनरेशन रिफॉर्म्स” लागू करने का विकल्प छीन लिया है, अब, तुरंत ही ये परिवर्तन करने होंगे।

■ जैसा कि विदित ही है, “फर्स्ट जनरेशन रिफॉर्म्स” 1991 में, लगभग तीन दशक पहले लागू हुए थे।

इन्फ्रास्ट्रक्चर सुदृढ़ करने और व्यवसायों के लिए रेगुलेटरी बोझ को कम करने की वृष्टि से सैकण्ड जनरेशन (दूसरी पीढ़ी के) सुधारों को आगे बढ़ा सकती है। ये प्रयास भारतीय कंपनियों

को घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद करेंगे और विदेशी बाजारों पर निर्भरता को कम करेंगे। अमेरिका में प्रोटेक्शनिस्ट पॉलिसीज (संरक्षणवादी नीतियों) के

बढ़ने से भारत अपने पारंपरिक पार्टनरों के अलावा और अन्य लोगों से ट्रेड पार्टनशिप कर सकता है। यदि अमेरिकी बाजारों पर निर्भरता अधिक महंगी हो जाती है तो भारत, एशिया, यूरोप और अफ्रीका के देशों के साथ ट्रेड एग्रीमेंट्स तेजी से आगे बढ़ा सकता है। यह बदलाव भारत को अधिक व्यापार – अनुकूल सुधार लागू करने के लिए प्रेरित कर सकता है। जैसे, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाना और व्यापार में गैर – शुल्क बाधाओं को कम करना।

बदलते ग्लोबल ट्रेड परिदृश्य के जवाब में भारत, इलैक्ट्रॉनिक्स, इस्पात और दवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने के प्रयासों को भी तेज कर सकता है।

इतना ही नहीं, भारत सरकार श्रम कानूनों, भूमि अधिग्रहण और टैक्सेशन में गहन सुधारों को आगे बढ़ा सकती है, ताकि भारतीय निर्यात क्षेत्र को अधिक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लाल किले और जामा मस्जिद पर बम की धमकी

नई दिल्ली, 10 अप्रैल। राजधानी दिल्ली में गुरुवार को पुलिस विभाग और सुरक्षा एजेंसियों के बीच हड़कंप मच गया। दरअसल, दिल्ली में स्थित ऐतिहासिक लाल किले और जामा मस्जिद को निशाना बनाकर बम विस्फोट करने की धमकी दी गई थी। इसके बाद

■ पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान चलाया, जिसमें कुछ नहीं मिला। धमकी फर्जी साबित हुई।

सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत ही मौके पर पहुंच कर गहन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, जांच में कुछ भी नहीं मिला और ये धमकी फर्जी साबित हुई है। दिल्ली फायर सर्विस के एक अधिकारी ने थो। अमेरिका की सरकार ने भारत को महत्वपूर्ण सबूत दिए, जो दिसम्बर 2011 में प्रस्तुत एन.आई.ए. की चार्जशीट का अंग बन गए। यह (शेष अंतिम पृष्ठ पर)